

मैगजीन और दो तात्कालिक विस्फोटक उपकरण बरामद हुए थे। पिछले 60 दिनों में 18 आतंकी मरदहारों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार, दोनों संदिग्ध सोपोर के चिंकीपोरा के निवासी हैं और आतंकियों तक हथियार तथा विस्फोटक पहुंचाने का मदद करने के संदेह में थे। खुफिया सूचना के आधार पर सेना की 52 राष्ट्रीय राफ़ल्स और बारामूला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की। दोनों को डेल्टा घाट के पास डारपुर नर्सरी इलाके से गिरफ्तार किया गया। मामले की जांच जारी है। इससे पहले, नी सितंबर को कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों ने हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े पूर्व आतंकी मंजूर अहमद भट को गिरफ्तार किया था। पुलिस के मुताबिक, उसके पास से चीन में बनी फ़िस्टील, दो मैगजीन और 16 गोलीयां मिली थीं।

ईर्दुनिया ब्यूरो, पुछः जम्मू-कश्मीर के पुछ जिले में सेना ने तलाशी अभियान के दौरान सात संदिग्ध तात्कालिक विस्फोटक उपकरण और 7.62 मिलीमीटर हल्की मशीनगन की एक मैगजीन बरामद की। रक्षा सूरों के अनुसार, खुफिया सूचना मिलने के बाद 156 प्रादेशिक सेना और 37 राष्ट्रीय राइफलस ने कासबलारी गाँव के पास तलाशी अभियान चलाया।

तलाशी के दौरान भूरे रंग के टेप से लिपटे छह डिब्बे और नीले टेप से लिपटे एक डिब्बा मिला। इसके अलावा एक संदिग्ध मैगजीन वाला डिब्बा, काला थैला, युद्ध-सामग्री रखने की थैली, बिजली का अनुकूलक, विद्युत स्रोत, एल्युमिनियम का डिब्बा और भोजन रखने का डिब्बा भी बरामद किया गया। इससे एक दिन पहले, 22 अक्टूबर को, बारामूला में सुरक्षाबलों ने दो संदिग्ध आतंकी मदनगारों को गिरफ्तार किया था। उसके पास से तुरकी में बनी कनिष्क पिस्तौल, दस कारतूस रखने वाली



मैगजीन और दो तात्कालिक विस्फोटक उपकरण बरामद हुए थे। पिछले 60 दिनों में 18 आतंकी मदनगारों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार, दोनों संदिग्ध सोंपार के चिंकीपोरा के निवासी हैं और आतंकीयों तक हथियार तथा विस्फोटक पहुँचाने में मदद करने के संदेह में थे। खुफिया सूचना के आधार पर सेना की 52 राष्ट्रीय राइफलस और बारामूला पुलिस से संयुक्त कार्रवाई की। दोनों को डेल्टा घाट के पास डारपुर नर्सरी इलाके से गिरफ्तार किया गया। मामले को जांच जारी है। इससे पहले, नौ सितंबर को कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों ने हिज्जबुल मुजाहिदीन से जुड़े पूर्व आतंकी मंजूर अहमद भट को गिरफ्तार किया था। पुलिस के मुताबिक, उसके पास से चीन में बनी पिस्तौल, दो मैगजीन और 16 गोलीयाँ मिली थीं।

आँकड़ा चुग सकते हैं अथवा उसे बंद कर सकते हैं। कुछ मामलों में वे आँकड़े लौटाने या तंत्र खोलने के बदले धन की मांग कर रहे हैं, हालाँकि हर हमले में फ़िरौती नहीं मांगी जाती।

अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, 30 सितंबर 2026 तक कम से कम 500 लोगों को प्रभावित करने वाला आँकड़ा लीक की 571 घटनाएँ दर्ज थीं। इनमें 485 घटनाएँ हैकिंग या सूचना प्रौद्योगिकी तंत्र से जुड़ी थीं। इन घटनाओं से लगभग 7 करोड़ 67 लाख लोगों की जानकारी प्रभावित हुई थी।